जीवन में कामयाबी

हम इस जीवन के अंदर बहुत–कुछ सुनते हैं। सवेरे से लेकर शाम तक कोई न कोई, कुछ न कुछ सुनाता ही रहता है। परंतु हमें चाहिए कि अपने जीवन में कुछ समय निकालकर ऐसी बातें सुनें, जिससे सचमुच में हमारा भला हो।

मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि सारे संसार को गन्ना, हिन्दुस्तान की देन है। गन्ना हिन्दुस्तान से ही शुरू होकर, सारे संसार में फैला है। गन्ना है क्या? आप लोगों ने तो गन्ना उगते हुए देखा होगा? पहले खेत को जोतते हैं और फिर उसमें गन्ने को फेंकते हैं, फिर पीछे से कोई आता है और जहां गन्ने का अंकुर निकलेगा, उसको सीधा करता है। फिर उसे मिट्टी से ढक देते हैं, फिर उसमें पानी डाला जाता है। मिट्टी में कोई मिठास नहीं होती है, उस पानी में भी कोई मिठास नहीं होती है, परंतु जब गन्ना तैयार हो जाता है तो उसमें बहुत मिठास होती है! गन्ने ने अपने छोटे–से जीवन में एक काम कर लिया। उसका जीवन ज्यादा बड़ा तो होता नहीं है, पर जबतक वह बड़ा हो जाता है, तबतक वह एक काम कर लेता है कि अपने अंदर मिठास भर लेता है।

हिन्दुस्तान में आम भी बहुत होता है। जब उसकी ऋतु होती है, समय होता है तो लोगों को खाने में भी बहुत पसंद आता है। आम का बीज होता है, गुठली होती है। उस गुठली को जमीन में बोते हैं। उस जमीन में कोई मिठास नहीं है, कोई स्वाद नहीं है, परंतु उसी जमीन से निकलकर वह धीरे–धीरे बड़ा होता है, पेड़ होता है, फिर उसमें फूल आते हैं और फूल से फिर आम निकलते हैं। उस आम के पेड़ ने अपने जीवन में एक चीज हासिल कर ली है कि वह ऐसा फल देता है, जो मीठा भी है और स्वादिष्ट भी है।

गुलाब का फूल! मिट्टी को सूंघकर देखो। उसमें कोई खुशबू नहीं है, परंतु गुलाब का फूल सुगंधित होता है। उस गुलाब ने अपने जीवन में एक चीज कायम कर ली है – सुगंध! गुलाब के अंदर ऐसी सुगंध है कि पूछो मत!

नारियल का पेड़ अधिकतर समुद्र के किनारे होता है, जहां खारा पानी होता है। परंतु नारियल अपने अंदर मीठा पानी पैदा करता है। नारियल का जन्म रेत में हुआ है, पर उसके अंदर दूध है, स्वादिष्ट पानी है।

मेरा मकसद यहां फल और फूलों का वर्णन करना नहीं है। मेरा उद्देश्य यह समझाना है कि आपको अच्छे तरीके से मालूम है कि नारियल के पेड़ ने क्या हासिल कर लिया, गुलाब के पौधे ने क्या हासिल कर लिया, आम के पेड़ ने क्या हासिल कर लिया, गन्ने ने क्या हासिल कर लिया। अब, मैं आपसे यह पूछता हूं कि आपने क्या हासिल किया? इसीलिए मैं गन्ने, आम, गुलाब और नारियल की चर्चा कर रहा था। गन्ने ने तो मिठास हासिल कर ली, आपने अपने जीवन के अंदर क्या हासिल किया?

क्या आपने सरसों का खेत कभी देखा है? सरसों का खेत जब तैयार हो जाता है तो इतना सुंदर दिखता है कि पूछो मत! जहां देखो, पीला ही पीला दिखता है! उसका पीला रंग बड़ा ही सुंदर लगता है। आप किस रंग में रंगे हैं? क्या है आपका रंग? कहां है आपकी मिठास? कहां है आपका स्वाद? कहां है आपकी खुशबू? आप मनुष्य हैं। मनुष्य होने का अहंकार भी करते हैं कि ''हम मनुष्य हैं।'' शास्त्रों में मनुष्य को सबसे श्रेष्ठ बताया गया है। जब सरसों की सुंदरता भी आपमें नहीं है तो श्रेष्ठ कैसे हो गये? जहां मनुष्य होता है, वहीं गन्दगी फैलाता है, बदबू फैलाता है और अपने वचनों से मधुर वाणी नहीं, बल्कि एक–दूसरे से कड़वी बात करता है, जहर उगलता है, कलेजे में चुभने वाली बात करता है। इसीलिए मैं पूछ रहा हूं कि आपने क्या हासिल किया? आप किस रंग में रंगे हैं? क्या है आपका रंग? क्या है आपकी खुशबू? जो मनुष्य अपने जीवन के अंदर अपने को भर नहीं पाया, अपने को पूरा नहीं कर पाया, उसकी क्या खुशबू होगी? उसको बदबू कहा जा सकता है। वह अधूरा है, कच्चा है। पक्का नहीं।

मनुष्य को सबसे श्रेष्ठ बताया गया है। आपने क्या हासिल किया? आप किस रंग में रंगे हैं? क्या है आपका रंग? क्या है आपकी खुशबू? आपके अंदर हर एक स्वांस के अंदर छिपी है वह असली शांति, उसका अनुभव कीजिए। अगर आप उसका अनुभव करेंगे तो आपका कल्याण जरूर होगा।

अच्छे और बुरे के बारे में तो पशु और पक्षी भी जानते हैं। यह तो पशु–पक्षी को भी मालूम है कि ''हित क्या है और अनहित क्या है'', परंतु इस ''मानुष तन का गुण'' क्या है? मनुष्य को यह ज्ञान प्राप्त हो सकता है। उस गन्ने को बोने से क्या फायदा, जिस गन्ने में मिठास ही नहीं है? जिस ज्ञान के बारे में हम चर्चा करते हैं, उससे आपका कल्याण हो सकता है। एक बार नहीं, हर दिन! लोग अपने मन में यही धारणा रखते हैं कि अगर एक बार शांति का अनुभव हो गया तो फिर अनुभव करने की जरूरत नहीं है। परंतु ऐसी बात नहीं है। जैसे आपको खाना हर रोज खाना है। ऐसा थोड़े ही है कि एक दिन खाया, फिर कभी खाने की जरूरत नहीं है? एक रात को सो लिये तो फिर कभी सोने की जरूरत नहीं है? हर दिन आप इस ज्ञान का आनंद ले सकते हैं। हर दिन आपके अंदर जो आनंद का खजाना है, उसको खोदिए और अपने जीवन को सफल बनाइए!

जबतक आपके जीवन के अंदर दृढ़ता नहीं होगी, जबतक आप अपने जीवन को एकाग्र करके, ध्यान एकाग्र करके नहीं चलाएंगे, अपनी जिंदगी के अंदर आप कामयाब नहीं हो सकते। यह फार्मूला है। चाहे आप खेती करते हों, चाहे आप घर चलाते हों, चाहे आप ऑफिस चलाते हों, चाहे आप कुछ भी करते हों, परंतु अगर आप ध्यान एकाग्र करके जो भी करेंगे, आप उसमें जरूर कामयाब होंगे। बच्चे अगर ध्यान एकाग्र करके पढ़ें तो जरूर पास होंगे। फेल होने का तो सवाल ही नहीं पैदा होता। अगर आप अपने जीवन के अंदर कामयाबी चाहते हैं तो आप जो भी करें, ध्यान एकाग्र करके करें। आपका टाइम भी बचेगा और आपको कामयाबी भी मिलेगी। अगर ध्यान इधर–उधर रहेगा तो कामयाबी नहीं मिलेगी। लोगों के साथ यही होता है कि जब कोई काम करते हैं तो जिस चीज का ख्याल रखना चाहिए, तब ख्याल नहीं रखते हैं। ध्यान कहीं और रहता है। आप अपना ध्यान एकाग्र करके अपने अंदर स्थित शांति का जब अनुभव करेंगे, तब आपको इसका आनंद मिलेगा, तब आप आत्म–विभोर होंगे।

आपके अंदर हर एक स्वांस के अंदर छिपी है वह असली शांति, उसका अनुभव कीजिए। अगर आप उसका अनुभव करेंगे तो आपका कल्याण जरूर होगा। आपको कैसे मालूम पड़ेगा कि आपका कल्याण हो रहा है? आपके जीवन में शांति का अनुभव होता है। शांति का प्रसाद मिलता है। इस जीवन में उससे बड़ा कोई उपहार नहीं है। इस जीवन के बाद, इस स्वांस के बाद अगर

कोई उपहार पाना है, अगर कोई मनोकामना होनी चाहिए तो आपकी मनोकामना उस शांति के लिए होनी चाहिए। और किसी चीज के लिए नहीं। इस जीवन के अंदर शांति का अनुभव कीजिए और अपने जीवन को सफल बनाइए।

प्रेम रावत

प्रेम रावत शांति के विषय में चर्चा करने वाले अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के एक वक्ता हैं। लोग उन्हें आदर व प्रेम से महाराजी भी कहते हैं। वे हर व्यक्ति के अंदर स्थित शांति की चर्चा करते हैं। उनके इस संदेश ने विश्व के हर वर्ग के लोगों को आकर्षित किया है। प्रत्येक मनुष्य के अंदर शांति की संभावना को पाने की प्रेरणा देने की उनकी योग्यता के लिए उन्हें कई सरकारी एवं शैक्षिक संस्थानों द्वारा 'शांति के दूत' की उपाधि प्रदान की गई है। प्रेम रावत का यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि आंतरिक शांति हर एक मनुष्य की बुनियादी जरूरत है। वे अपने इस संदेश को विभिन्न किस्से, कहानियों, उदाहरणों व कविताओं के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते हैं। उनके जीवन का उद्देश्य विश्व के सात अरब लोगों तक अपना यह संदेश पहुंचाना है। पूरी दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों द्वारा उन्हें नियमित रूप से बोलने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यूनाइटेड नेशन्स कान्फ्रेंस सेंटर, हारवर्ड एवं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूरोपियन पार्लियामेंट, ऑस्ट्रेलियन व न्यूजीलैंड पार्लियामेंट सहित विश्व के कई प्रतिष्ठित मंचों पर वे अपना संदेश सुना चुके हैं। हाल ही में उन्हें दूसरी बार यूरोपियन पार्लियामेंट में अपना संदेश सुनाने के लिए आमंत्रित किया गया। विश्व की कई जेलों में भी लोग उनका संदेश नियमित रूप से सुन रहे हैं। उनके संदेश से प्रभावित कैदियों एवं जेल स्टाफ के आमंत्रण पर उन्होंने भारत में तिहाड़ जेल, अर्जेन्टीना में एक महिला जेल और अमेरिका की सेंट एंटिनियो जेल में स्वयं जाकर प्रोग्राम किए हैं।

हेल्पलाइन नंबर
011 26654700, 09899292465

राज विद्या केन्द्र
शहूरपुर, छत्तरपुर, नई दिल्ली-110074
फोन : 011 26654921-23
फैक्स : 011 26654502
ईमेल : *rvkender@vsnl.net*

www.tprf.org
www.rajvidyakender.org

© pealidezine, peali.duttagupta@gmail.com